

प्रतिबन्ध च चेतनाम् 712. R. 6, 8, 7. दिष्ट्या प्रत्युपलब्धासि चेतनेव गता-
मुना Vikr. 133. चेतनो लब्धा Mṛśāk. 126, 4. Pāṇkāt. 33, 11. 66, 20 (चेत-
नम्!). चेतनो समासाद्य 58, 19. Häufig am Ende eines adj. comp. (f. आ):
अल्पचेतन MBh. 3, 10776. शीघ्रं कान्. 69. तत्रार्पितं R. 4, 4, 32. कामो-
पकृतं M. 9, 67. कृच्छ्याविष्टं N. 2, 3. कामेन कृतचेतनः MBh. 3, 10754.
BENF. Chr. 67, 22. दुःखोपकृतं R. 5, 26, 5. N. 7, 13. Daç. 1, 1. अस्वस्थं
35. संप्रव्ययितं R. 1, 38, 16. उद्धातं Ragh. 12, 74. गतं N. 9, 20, 10, 19.
R. 2, 63, 25. 4, 22, 30. प्रत्यागतं Çāk. 92, 21, v. l. — 4) n. a) Wahrneh-
mung (obj.), Erscheinung: अयं कदा तं आनुषंगभुवद्देवस्य चेतनम् RV. 4,
7, 2, 3, 3, 8. अमृतस्य 4, 170, 4. प्र दातुरस्तु चेतनम् der Geber sei besonders
bemerkt oder bemerklich 13, 11. — b) der denkende Geist Bālab. 23;
vgl. 2. — Vgl. अचेतन, निश्चेतन, वि°, स°, चैतन्य.

चेतनकी f. = चेतकी Rāṅ. im ÇKDr.

चेतनता (von चेतन) f. der Zustand des wahrnehmenden, bewussten
Wesens: देहचेतनतामियात् Bālab. 7. चेतनत्वं n. dass.: तत्त्वतादीनां चे-
तनत्वात् Mallin. zu Kumāras. 3, 39. Sch. zu Kap. 1, 100.

चेतनावत् (von चेतना) adj. Bewusstsein habend, wissend, verstehend,
vernünftig Nir. 2, 11. 8, 5. चेतनावद्वादि स्तुतयो भवन्ति 7, 6. चेतनावत्सु चै-
तन्यं समं भूतेषु पश्यति MBh. 14, 529. Gegens. अचेतन 1332. Sāṃkhyak.
20. कः क्षत्रमवमन्येत चेतनावान्वद्भुतः MBh. 12, 2449. Suçr. 1, 311, 15.
312, 13.

चेतनीया (wie eben) f. eine best. Arzneipflanze (रुद्धि) Rāṅ. im ÇKDr.

चेतप (vom caus. von 4. चित्) adj. wahrnehmend, Bewusstsein habend
P. 3, 1, 138. Vop. 26, 35.

चेतयितर (wie eben) nom. ag. Wahrnehmer MBh. 12, 7693. Çāk. zu
Çvetāçv. Up. 6, 11.

चेतयितव्य (wie eben) adj. was wahrgenommen, gedacht wird: चित्तं
चेतयितव्यं च Praçnop. 4, 8.

1. चैतर (von 2. चि) nom. ag. Wahrnehmer, Aufmerker, Wächter TS.
1, 4, 25, 1 (wo aber RV. und TS. selbst in der Wiederholung 2, 2, 23, 2
चैतर haben). साती चेता केवलः Çvetāçv. Up. 6, 11.

2. चैतर (von 3. चि) nom. ag. Rächer: अन्तस्य RV. 7, 60, 5.

चेतव्य (von 1. चि) adj. zu schichten, nebeneinander zu legen: अग्निः TS.
5, 2, 3, 1. 6, 10, 2. Çat. Br. 9, 3, 1, 64. (राक्षसान्) तांश्चेतव्यान्क्षितौ Bhāṭṭ. 9,
13. einzusammeln: पुण्यम् Vop. 26, 3.

चेतस् (von 4. चित्) n. Up. 4, 190, 1) (glänzende) Erscheinung, Aussehen:
युवोर्त्रिंशिकेतति नरा सुमेन चेतसा RV. 5, 73, 6. प्र पुनानस्य चेतसा सो-
मः पवित्रं अर्पति 9, 16, 4. परि विष्टानि चेतसा मृशसे पर्वसे मती 20, 3. दि-
वस्पृष्टमधि तिष्ठति चेतसा 83, 2. प्र चेतसा चेतयते अन्नु द्युभिः 86, 42. 10,
46, 8. सकृच्चेतस् adj. von Indra 1, 100, 12. — 2) Einsicht, Bewusstsein;
Sinn, Geist, Herz Naigh. 3, 9. AK. 1, 1, 4, 9. H. 1369. यत्प्रज्ञानमृत चेतो
धृतिश्च (प्रज्ञासु) VS. 34, 3. AV. 6, 41, 1. 64, 2. 9, 7, 11. पुनर्लब्धा बुद्धिं
चेतो धनानि च N. 11, 23. प्राप्य चेतः MBh. 7, 6935. स्रस्तं adj. 3, 886.
गतं N. 8, 1. प्रीत्यै — चेतसः Hit. 1, 90. चेतोबुद्धिमनोहर इन्द्र. 2, 32.
ममाह्लादयते चेतः N. 21, 8. अपहरति मुनेरप्येष चेतो वसतः Dhūrtas. 69,
10. एता दृष्टास्य जीवस्य गतीः स्वेनैव चेतसा M. 12, 23. चेतसा द्या 9, 21.
अनुध्या Ragh. 14, 60. स्मर Çāk. 99. Megh. 73. चित् Pāṇkāt. I, 14. स्वचे-
तसा व्यचिन्तयत् 128, 11. का निर्वृतिं चेतसि तस्य कुर्यात् Çāk. 178. im

Gegens. zu शरीर 33. इन्द्रियचेतांसि Suçr. 1, 192, 1. अनन्यं adj. Bhaç.
8, 14. ज्ञानावस्थितं 4, 23. यत् 3, 26. चेतसा वपकृष्टेन N. 9, 33. निरुद्धं
Pāṇkāt. II, 164. कामाधिष्ठितं Hit. 28, 2. मृगयाविज्ञातं चेतः Çāk. 22, 5.
कौतुकाकुलं Vet. 43, 18. भव्येन चेतसा R. 1, 62, 7. चेतसीव प्रसवे Megh.
41. आत्मन्यप्रत्ययं चेतः Çāk. 2. अवक्रं Kāthop. 3, 1. दुष्टं M. 3, 225.
पापं 7, 124. अपापं N. 11, 17. मन्दं MBh. in BENF. Chr. 29, 35. चेतः-
पीडा AK. 3, 4, 12, 100. कथं घटितवानुपलेन चेतः Çṛṅgārat. 3. — 3) Wille
AV. 3, 16, 3. येषामनुपति चेतः TBa. 3, 1, 4, 7. — Vgl. अचेतस्, दध्, धीर्, नाना°, लघु°, वि°, स°, सु°.

चेतस am Ende eines adv. comp. = चेतस् Vop. 6, 62.

चेतसक pl. N. pr. einer Localität: पद्मगङ्गेषु — चेतसकेषु च MBh. 7,
2095.

चेताय्, चेतायते denom. von चेतस् Vop. 21, 8.

चेतिष्ठ (von 4. चित्) superl. zu चित्र, namentlich von Agni, RV. 1,
63, 9 (5). 128, 8. 5, 27, 1. 7, 16, 1. 8, 46, 20. 10, 24, 7. VS. 27, 15.

चेतीकर (चेतस् + 1. कर), चेतीकरोति Vop. 7, 84.

चेतु s. मुचेतु.

चेतामव (चेतस् + भव) m. Liebe, der Liebesgott H. 229, Sch. Auch चे-
तेभू Wils. — Vgl. चित्तजन्मन्, मनोज.

चेतामत् (von चेतस्) adj. mit Bewusstsein begabt, lebend: सामानि
MBh. 3, 8676.

चेतोविकार (चेतस् + वि°) m. Geistesstörung: क्रोध = चेतोविकार
Kull. zu M. 1, 25. Suçr. 1, 194, 11. °विकारिन् adj. an Geistesstörung
leidend 216, 10.

चैतरू und चैतरू (nom. ag. von 4. चित्; die letzte Betonung im AV.,
die erste in den übrigen Sāmhitā) Aufmerker, Wächter; gewöhnlich
mit dem adj. उग्र verbunden. RV. 10, 128, 9. AV. 4, 8, 2. 6, 73, 1. 99, 1.
TS. 1, 6, 2, 1. 2, 3, 9, 1. धीर्येता ebend. स चेता देवता पृद् RV. 1, 22, 5.
चेत्य (von 4. चित्) adj. wahrnehmbar, bemerklich: तं त्राता तरणे चेत्यौ
भूः RV. 6, 1, 5.

चेत्यौ f. viell. Strafe, Rache (von 3. चि): कर्हि स्विता तं इन्द्र चेत्या-
संदयस्य यद्विनदो रत्नं एषत् RV. 10, 89, 14.

चेद् aus च + इद् (Padap. च | इत्) zusammengesetzte Part., welche
niemals am Anfange eines Satzes oder Halbverses steht. 1) wie च anein-
anderreihend: स चेतयोश्च अस्मिना कामिना स च वक्तव्यः AV. 2, 30, 2. द-
दाम्यस्मा अक्सानमेतद्य एष आगन्मम चेदभूद्वि 18, 2, 37. — 2) auch, so-
gar: प्राणिना धर्मबुद्धीनामपि चेन्नचयेनानाम् Hariv. 11308. यद्यस्ति चे-
द्धनं सर्वं वृथाभिगा भवतु ताः MBh. 1, 2403. — 3) nämlich, in Verb. mit
यदि wenn: यदि चेद्भरतो धर्मोत्पिच्यं राज्यमवाप्स्यति R. 2, 8, 34. कैकेय्या
यदि चेद्भार्यं स्यादधर्ममनायवत् 48, 19. Hariv. 11893. — 4) wann (ved.),
wenn (vgl. den conditionalen Gebrauch von च) AK. 3, 3, 12. H. 1342.
Msd. avj. 24. Das verb. fin. behält seinen Ton nach P. 8, 1, 30. वि चेदु-
च्छ्रयुषासः RV. 7, 72, 4. अर्थिनो वति चेदर्थम् 8, 68, 5. 10, 109, 3. AV. 6,
31, 3 (wo RV. यद् hat). 12, 2, 36. 4, 18, 21. 48. इमं चेदा इमे चिन्वते Çat.
Br. 2, 1, 2, 14. 14, 6, 3, 4. Taitt. Up. 2, 5. अस्ति ब्रह्मेति चेद्दे। सत्तमेनं त-
तो विदुः 6. M. 7, 25. 8, 164. 204. 10, 64. N. 17, 28. 18, 15. R. 3, 41, 3. Çāk.
147. Ragh. 3, 45. Çṛṅgārat. 14. तन्मात्रमपि चेन्मन्त्रं न ददाति (= perf.)
पुरा भवान्। स कथं पृथिविमितो प्रदासि MBh. 9, 1806. mit Ergänzung